SDCGI "सब पढे – सब बढ़े"

SHREE DEV COLLEGE OF GURUKUL INSTITUTION

श्री देव कॉलेज ऑफ गुरुकुल इंस्टीट्यूशन

An Autonomous Institution Registered Under UP Under Trust Act 1882 India, Run By Shree Dev Charitable Trust
Course are Registered Under C.R. Act of MHRD, Govt. of India in Association with QCI (Quality Council of India)
NCS Ministry of Labour & Employment regd. No.- S14G83- 150358664526 & Regd. - MSME Govt. of India
Member of IAEng (International Association of Engineers – 331408, An ISO 9001:2015 Certified Institution

अंगिका पाठ्यक्रम पुस्तिका

Angika Speaking Region of Bihar in year 1973
Reference : Ang Madhuri, Dec-1973

अंगिका के सबल बनाय के अभियान

अंग क्षेत्र रो संक्षिप्त इतिहास - पद्म पुराण के सृष्टि खंड रो अनुसार अत्रि ऋषि आरु सती अनुसुइया के पुत्र अंग हींया के राजा छेलै। हिनको शादी मृत्यु रो पुत्री सुनीथा के साथे होलो रहै आरो हिनको पुत्र रो नाम बेन छेलै। महाभारत काल मॅं दानवीर कर्ण हींया के राजा होलै।

अंगिका भाषा रो संक्षिप्त इतिहास - अंगिका बड्डी पुरानो आरो लोकप्रिय भाषा छै। 700 वीं सदी रो कवि सरहपाद अंगिका रो पैहलो कवि मानलो जाय छै। सरहपाद हिन्दी केरो भी पैहिलो कवि हुवे के गौरव प्राप्त करने छै। सरहपाद भागलपुर रानी दियारा के रहै वला छेलै। हुनी विक्रमशिला विश्वविद्यालय म अध्ययन रो बाद हींया के आचार्य बनलै आरो यहे विश्वविद्यालय रो कुलाधिपति के पद के सुशोभित भी करलके।

बौद्ध ग्रंथ - बौद्ध ग्रंथ के ललित विस्तर रो अनुसार बुद्ध ने अंग लिपि सहित 64 लिपि रो अध्ययन करने छेले।ललित विस्तर मे अंग लिपि रो चोथो स्थान पे देखैलो गेलो छै।मतलब स्पष्ट छै कि अंग लिपि आरो अंगिका भाषा पौराणिक काल से हीं प्रचलित छै। हय दीगर बात छै कि बीच रो कुछ कालखंडो मे सत्ता केरो उपेक्षा के कारणे अंगिका भाषा आरो लिपि के हेकरो अपेक्षित स्थान नञ मिले पारलै। मतरकि आय जन प्रयास सें फेनू अंगिका भाषा ने आपनो दमदार उपस्थिति दर्ज करने छै।

अंगिका भाषा के क्षेत्र - अंगिका मूल रूपो से अंग क्षेत्र रो मातृभाषा छिकै। हय क्षेत्र बिहार के भागलपुर, बांका, मुंगेर, खगड़िया, बेगुसराय, लखीसराय, शेखपुरा, जमुई, कटिहार, किशनगंज, पुर्णिया, अररिया, सहरसा, सुपौल अ मधेपुरा **झारखंड** रो देवघर, दुमका, साहिबगंज, पाकुड़ आरु गोड्डा,**प. बंगाल** रो मालदा समेत चार जिला आरो नेपाल रो तराई क्षेत्र मे फैललो छै।

अंगिका भाषा के विस्तार - एकरो अलावा उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब समेत भारत के प्रायः सभ्भै राज्यों आरू मारीसस, फिजी समेत विश्व के दर्जन भरी से जादा देशों मे अंगिका प्रमुखता के साथ बोललो जाय छै।

अंगिका भाषा रो वर्तमान स्थिति - अंगिका भाषा बिना सरकारी सहायता के हजारों वर्षो से जीवित छै। इ अंग क्षेत्र के लोगो के लेल गौरव के बात छै। इ लिए हींया के हरेक जनमानस के अभिवादन के बड़ी आवश्यकता छै। अब तलक जे विद्वाने ने लिखित या अलिखित साहित्य के भंडार के संजोयलकै, सृजन कैलकै आरू संरक्षित राखलकै सभ्भै अंगिका के आदर्श छेकै।

अंगिका भाषा के पढ़ाय - आजादी के रो बाद इ भाषा के पढ़ाय के लेल लम्बा संघर्ष करै ल पड़लै। तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय भागलपुर के तत्कालीन कुलपति प्रो. डॉ रामाश्रय यादव ने पत्रकार विभुरंजन के पहल प ध्यान देते हुए शिष्टमंडल के आवेदन प कार्रवाई शुरू करी के 2002 से अंगिका के पढ़ाय स्नातकोत्तर स्तर प शुरू करा देलकै। वर्ष 2008-10 के सत्र में विभुरंजन ने अंगिका में स्नातकोत्तर करला के बाद 2010 में ही प्री-पी-एच.डी. परीक्षा पास कैलकै आरू काफी जद्दोजहद

के बाद 2012 में पी-एच.डी. के लेल निबंधित होवै में सफलता पैलकै आरू 2020 में पी-एच.डी. के उपाधि पैलकै। हाल के दिनो मे बिहार सरकार ने सहायक प्राध्यापक के ३ पद प स्थाई नियुक्ति भी कैलकै।

बिहार राज्य अंगिका अकादमी रो स्थापना - बिहार सरकार ने 2015 मे विधायक सुबोध राय, साहित्यकार सुधीर कुमार प्रोग्रामर आरु पत्रकार विभुरंजन के अथक प्रयास प सकारात्मक निर्णय लेते हुवे अकादमी के स्थापना कैलकै आरु प्रो. लखन लाल सिंह आरोही चेयरमैन बनैलो गेलै।

हींया होना छै पढ़ाय - 1. मुंगेर विश्वविद्यालय मुंगेर मे अंगिका पढ़ाय के प्रस्ताव कुलपति प्रो श्यामा राय के अध्यक्षता मे पास होय गेलो छै। हींया यूजी आरु पीजी में पढ़ाय होना छै। 2. ति.मा.भा. विश्वविद्यालय भागलपुर में यूजी के पढ़ाय के आदेश केॅ कुलपति प्रो. जवाहर लाल ने स्वीकृति दै देने छै।

अंगिका के आवश्यकता - भारत सरकार नेॅ नवका शिक्षा नीति लागू करते हुवे कहलकैकि कक्षा 10+2 तक मातृभाषा के पढ़ाय अनिवार्य छै। इ देखी के अंगिका के पढ़ाय के लेल बिहार सरकार सकारात्मकता के तरफ कदम बढ़ैलकै आरु लगभग 20 करोड़ के लागत से स्कूलो में वितरण लेल किताब के प्रकाशन भी करी चुकलो छै।

एक आशा - समय लगीच छै जबे प्राथमिक से लै करीके 10+2 तक के स्कूलो मे शिक्षक के आवश्यकता होतै! ऐनामे शिक्षक बनै के लेल अंगिका में शिक्षित होना एक चुनौतीपूर्ण कार्य होतै। एकरा लेल **श्री देव कालेज ऑफ गुरुकुल इंस्टीट्यूशन , प्रयागराज, उत्तर प्रदेश** 2020 से **Diploma in Creative writing in Angika** जे की दू वर्षीय कोर्स छै के शुरुआत कैने छै जे **ऑन लाइन** मोड मे छै। स्पष्ट छै कि इ कोर्स वेहन लोगो के लेल छै जे नियमित कक्षा करै मे सक्षम नञ छै। मतरकि इ संस्था ने डा. विभुरंजन के पहल प इ कोर्स के शुरुआत कैलकै। अब तालुक 500 छात्र-छात्रा इ कोर्स के सफलतापूर्वक पूरा करी चुकलो छै। आवैवला भविष्य मे प्राथमिक से लै करीके उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मे नियुक्त होवै के लेल BEd/Deled के डिग्री के साथ-साथ अंगिका मे कम से कम दू वर्षीय डिप्लोमा कोर्स के आवश्यकता होतै। ऐसन अवस्था में **Diploma in Creative writing in Angika** कोर्स कारगर साबित होतै। इ कोर्स के सफलतापूर्वक संचालन लेल डॉ. विभुरंजन संकायाध्यक्ष (DEAN), श्री संजय कुमार सुमन कोर्स प्रशासक, गोल्ड मेडलिस्ट श्रीमती सरस्वती कुमारी विभागाध्यक्ष बनैलो गेलो छै। एकरा साथे सहायक प्राध्यापक के रुप मे गोल्ड मेडलिस्ट श्रीमती पूनम कुमारी, श्रीमती डॉ शिप्रा कुमारी अ गोल्ड मेडलिस्ट डॉ ब्रह्मदेव कुमार के राखलो गेलो छै।

कोर्स संचालन के लेल आम सहमति से एकटा सलाहकार समिति (Advisory Board) भी बनैलो गेलो छै। इ बोर्ड मे भूपेंद्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय मधेपुरा के डॉ. सुधांशु शेखर (अध्यक्ष), मुंगेर विश्वविद्यालय मुंगेर के डॉ. चंदन कुमार, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय दरभंगा के डॉ.

सुनील कुमार, डॉ. कृष्ण कुमार पासवान, तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय भागलपुर के डॉ. अमलेन्दु अंजन, डॉ. दिव्या कुमारी, पुर्णिया विश्वविद्यालय पुर्णिया के डॉ. जितेश कुमार आरु भूपेन्द्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय मधेपुरा के डॉ. नागेश्वर जी के शामिल करलो गेलो छै।

वृहत भविष्य - झारखंड के पांच जिला के मातृभाषा अंगिका छेकै। झारखंड सरकार ने **अंगिका** के द्वितीय राजभाषा के दर्जा देने छै। अबे त बस इ भाषा के झारखंड लोक सेवा आयोग मे जोड़ना बांकी रही गेलो छै। जोन दिन अंगिका के झारखंड लोक सेवा आयोग मे जोड़ी देलो जैतै उ दिन अंगिका भाषी के अति प्रसन्नता होतै। इ प्रकार से द्वितीय राजभाषा बनावै के लेल हमारो लड़ाय बिहार सरकार से जारी छै। जोन दिन बिहार सरकार द्वितीय राजभाषा के दर्जा अंगिका के देतै उ दिन अंगिका भाषी के सबसे बड़ो उपलब्धि हांथ लागतै। फिनू बिहार लोक सेवा आयोग मे भी जुड़ी जैतै।

लाभ - समूच्चे अंग क्षेत्र रो अंगिका भाषी के कुल जनसंख्या 6 करोड़ के आसपास छै। जोन दिन लोक सेवा आयोग में अंगिका के स्थान मिलतै उ दिन जवनका के स्वर्णिम दिन होतै। लोक सेवा आयोग के परीक्षा मे हींया के युवा अंगिका के मुख्य विषय के रूप में चुने सकतै आरु आसानी से अधिकारी बने पारतै। **Diploma in Creative writing in Angika** कोर्स संचालित करै के मुख्य उद्देश्य छै जवनका के नया विषय में अवसर प्रदान कराना। आय जोन हिसाब से पुरानो विषयों के पढ़ाय करी डिग्री हासिल करीके जुवा आगू बढ़ी रहलो छै आरु इ पुरानो विषयों में हीनका भीड़ के सामना करै ल पड़ी रहलो छै त एहन मे अंगिका कम भीड़ वला विषय होतै। जबे अंगिका भाषा के लेल बहाली निकलतै तबे अंगिका भाषी विद्यार्थी के अफसोस होतै कि इ विषय मे हमरा पास डिग्री नञ छै, त अबे की करियै! वेहेन परिस्थिति मे विद्यार्थी फर्जी संस्थान से जुड़ी के लाखों रुपया मे फर्जी डिग्री खरीदतै। इ लेल **श्री देव कालेज ऑफ गुरुकुल इंस्टीट्यूशन , प्रयागराज, उत्तर प्रदेश** से **Diploma in Creative writing in Angika** के कोर्स चलवैलो गेलो छै। जेकरासे कि अंग क्षेत्र के होनहार विद्यार्थी अपनो मातृभाषा के लाभ उठैते हुऐ बेरोजगारी क दूर करै मे अपने के सक्षम बनावे सके। एकरा से अंग क्षेत्र के गरीमा बढ़तै, अंगिका के सिर ऊंचा होवी जैतै आरु जुवा के नया क्षेत्र मे रोजगार उपलब्ध होतै, एकरा से जुवा के भविष्य निखरतै आरु अंगवासी गौरवान्वित महसूस करतै।

चेयरमैन संदेश

हम विकासशील भारत के लोग हैं। देश कैसे तेजी से विकास करें, लोगों को अधिक से अधिक सुविधा कैसे मिले इसके लिए सरकार अपने स्तर से प्रयासरत हैं। लेकिन इस बीच यंत्रीकरण और जनसंख्या विस्फोट हम युवाओं के रोजगार को सीधा प्रभावित किया है।

हम विकास कैसे करें इस पर हमको खुद सोचना है। रोजगार हमें चाहिए तो क्या करें, कैसे करें, कहां करें और कब से करें जैसे दकियानूसी विचार हमें आगे नहीं बढ़ने देती है। रोजगार का मतलब आज के युवा सरकारी नौकरी से लगा बैठे हैं। जहां यंत्रीकरण और डिजिटलीकरण के कारण पद को सरप्लस किया जा रहा है। जिससे रिक्तियां कम हो गई है। ऐसे में हमारे युवाओं को रोजगार के नये क्षेत्र का चयन करना होगा। इसके लिए Diploma in creative writing in angika आपके उज्वल भविष्य को रेखांकित करेगी।

देवेश कुमार मिश्रा
संस्थापक / अध्यक्ष
श्री देव कॉलेज ऑफ गुरुकुल इंस्टीट्यूशन

संकाय प्रमुख का संदेश

आय हमारो देश आरू समाज जोन हिसाब से विकसित होय रहलो छै, साधन आरू संसाधन बढ़ी रहलो छै हुंएं हमारो महत्वाकांक्षा बढ़ते हुवे असीमित आकार लेलो जाय रहलो छै। हुंवें विकासशील आरू विकसित देश / समाज के जुवा के सामनही मे बड़का चुनौती लावी देने छै, इ चुनौती आरू कुछ नञ बलुक रोजगार के छिकै। पूरे देश-दुनियां डिजिटलीकरण के शिकार होय गेलो छै। सरकार के हींया भी डिजिटलीकरण तेजी से होय रहलो छै। हुंवें निजी कम्पनी खुलीकरीके डिजिटलीकरण के अपनाय रहलो छै। एकरो उलट जुवा के भविष्य जहां समरी रहलो छै हुंवे प्रभावित भी होय रहलो छै। एकरो परभाव रोजगार प भी पड़लो छै। रोजगार के आभाव कमोबेश सब्भै जगह देखै ल मिली रहलो छै। जेकरा से जुवा हताशा मे छै। पढ़ी-लिखी के रोजगार के लेल भटकी रहलो छै।

ऐसन स्थिति मे हमारो विद्वान साथीसिनी ने जुवा के आगू बढ़ावै के लेल आरू रोजगार के गारंटी के वास्ते एक नया पाठ्यक्रम **Diploma in Creative writing in angika** तैयार कैने छै। जे विगत तीन वर्षों से संचालित छै। इ पाठ्यक्रम बिल्कुल नया छै। इ क्षेत्र मे रोजगार के अपार संभावना दिखी रहलो छै। भारत सरकार ने मातृभाषा के पढ़ाय 10+2 ताय अनिवार्य करी देने छै। ऐहन मे अंग क्षेत्र के 22 जिला के जुवा के अपनो मातृभाषा अंगिका मे दक्ष होना आवश्यक छै ताकि भविष्य मे जबे भी अवसर मिले अंगिका शिक्षक के रूप में अपनो आप के खड़ा करे सके। इहे प्रकार से बिहार सरकार सब्भै अस्पतालो मे रोगी के सुविधा लेल कासिलर के नियुक्ति करै प मंथन करी रहलो छै। जेकरा मे एक कासिलर मातृभाषा के भी होतै। ऐसन मे अंग क्षेत्र के 22 जिला के सब्भै अस्पतालो मे अंगिका कोर्स प्राप्त जुवा के सुलभता पूर्वक रोज़गार के अपार संभावना बनै छै। एकरो अलावा मातृभाषा अंगिका मे शिक्षित जुवा के दरकार आरू क्षेत्रो मे भी होतै। इ सब बातो के ध्यान में रखते हुए अंग क्षेत्र के जुवा के भविष्य के सुरक्षित करै लेल **Diploma Creative writing in angika** कोर्स के ऑन लाइन पढ़ाय शुरू करयलो गेलो छै। आशा छै अंग क्षेत्र के जुवा इ कोर्स के पूरा करी इ नया क्षेत्र मे अपना के स्थापित करी अपनो सुखमय जीवन बितावै मे कामयाब होतै। इ लेल सबके साथ हमरो मंगलकामना छै।

डॉ विभुरंजन

संकायाध्यक्ष (Dean)

अपनो मातृभाषा से ही आदमी के पहचान होवै छै

जन्मॅ से हम्मेसिनी जे भाषा बोलै छियै वही भाषा हमरासिनी के मातृभाषा होय छय। संस्कार आरु व्यवहार हम्मेंसिनी एकरा (मातृभाषा) से ही पावै छियै। यहां भाषा से के कारणे हम्मेसिनी आपनो संस्कृति के साथ जुड़ी के अपनो धरोहर के आगू बढ़ाबै छियै। मातृभाषा में ही व्यक्ति आपनो ज्ञान के ओकरो आदर्श रूप में आत्मसात करै छै। भाषा से ही सभ्यता आरु संस्कृति पुष्पित-पल्लवित आरु सुवासित होय छै।

अंगिका प्राचीन अंग महाजनपद यानि भारत के उत्तर-पूर्व आरु दक्षिण बिहार, झारखंड, बंगाल, असम, उड़ीसा आरु नेपाल के तराई क्षेत्रों में मुख्य रूप से बोलै वाला भाषा छेकै। पांच करोड़ लोग अंगिका भाषा के मातृभाषा के रूप में प्रयोग करै छै। ई प्राचीन भाषा कम्बोडिया, वियतनाम, मलेशिया जेन्हों देशों में भी प्राचीन समय से बोललो जाय रहलो छै।अंगिका भाषा आर्य-भाषा परिवार केरॉ सदस्य छेकै। आरो भाषाई तौर पऽ बंग्ला, असमिया, उड़िया आरो नेपाली, भाषा सं ऐकरॉ बहुते निकट के संबंध छै। प्राचीन अंगिका के विकास के शुरुआती दौर कऽ प्राकृत आरो अपभ्रंश के विकास सं जोड़लॉ जाय छै। एकरॉ प्रयोगकर्ता भारत केरोॅ विभिन्न हिस्सा सहित विश्व केरो ढेरी देशऽ मं फैललो छै। भारत केरो अंगिका क साहित्यिक भाषा के दर्जा प्राप्त छै। अंगिका साहित्य केरो आपनो समृद्ध इतिहास रहलॉ छै। भारत सरकार से अंगिका के आठवीं अनुसूची मं शामिल करैलो जैतै। अंगिका भाषा के अपनो प्राचीन लिपि के नाम – अंग लिपि रहै। लगभग पच्चीस सौ बरस पहले लिखलो गेलौ बौध्द ग्रंथ 'ललित विस्तर' में वर्णित तत्कालीन प्रचलित चौसठ लिपियों में 'अंग लिपि' के स्थान चौथो छै।

मातृभाषा के पढ़ाय भारत सरकार के नवका शिक्षा नीति मे शामिल छै। बिहार सरकार ने अपनो तैयारी मे अंगिका के शामिल करने छै। जे स की निकट भविष्य में शिक्षा, स्वास्थ्य विभाग जैसन जगह प अंगिका के जानकार के जरूरत पड़तै वेहन में इ भाषा मे शिक्षित होना भी जरूरी होतै। इ लेली श्री देव गुरुकुल इंस्टीट्यूटन प्रयागराज उत्तर प्रदेश से जुड़ी के हमरासिनी अपनो नौजवान जुवा साथी के अपनो अंगिका मातृभाषा मे शिक्षित करै के परियास करी रहलो छियै। अपने सबसे निहोरा छै कि जादा से जादा जुवा एकरो लाभ लीयै आरू भविष्य के संभावना के मरे नञ दीयै।

अपने सब के मंगलकामना छै।

संजय कुमार सुमन
पाठ्यक्रम प्रशासक
चलभाष- 9934706179

विभागाध्यक्ष संदेश

अपन्है के जानी के खुशी होतै कि हमारो अंग प्रदेश के मातृभाषा अंगिका के पढ़ाय के विस्तार क्षेत्र अबे उत्तर प्रदेश होय गेलो छै। हींया के श्री देव कॉलेज ऑफ गुरुकुल इंस्टीट्यूशन प्रयागराज, उत्तर प्रदेश बिगत तीन वरिस से अंगिका के पढ़ाय कराय रहलो छै।बढ़ते हुवे बेरोजगारी आरू घटते हुवे रोजगार के अवसर जुवा के साथ - साथ अभिवावक के लेल भी चिंता के विषय बनी गेलो छै। इ सब बात के ध्यान में रखी के अंग क्षेत्र मे अंगिका के वृहत क्षेत्र मिली रहलो छै। हेकरा हम्मेसिनी अपनाय क रोज़गार के गारंटी सुनिश्चित करे पारै छियै।
अंग क्षेत्र के हम्मे खुशहाल आरू विकासशील बनावै मे अपनो योगदान दै रहलो छियै।

सरस्वती

सरस्वती कुमारी
गोल्ड मेडलिस्ट
विभागाध्यक्ष – अंगिका

सलाहकार समिति

पाठ्यक्रम के संचालन हेतु गठित सलाहकार समिति

अध्यक्ष - डॉ. सुधांशु शेखर, भू. ना. मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा, बिहार।

सदस्य - डॉ . चंदन कुमार, मुंगेर विश्वविद्यालय, मुंगेर, बिहार।

सदस्य - डॉ. अमलेन्दु कुमार अंजन, ति. मां. भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर, बिहार।

सदस्य - डॉ. जितेश कुमार, पूर्णिया विश्वविद्यालय, पूर्णिया, बिहार।

सदस्य- डॉ. सुनील कुमार, ल. ना. मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा, बिहार।

सदस्य - डॉ. नागेश्वर, भू. ना. मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा, बिहार।

सदस्य - श्रीमती डॉ. दिव्या रानी, ति. मां. भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर, बिहार।

सदस्य – डॉ. कृष्ण कुमार पासवान , ल. ना. मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा, बिहार।

हमारी टीम

स्थायी सदस्य - संस्थापक सह संचालक- ई. देवेश मिश्रा

स्थायी सदस्य – संकायाध्यक्ष - डॉ. विभुरंजन

स्थायी सदस्य – विभागाध्यक्ष - गोल्ड मेडलिस्ट सरस्वती कुमारी

पदेन सदस्य - कोर्स प्रशासक - संजय कुमार सुमन

पदेन सदस्य - सहायक प्राध्यापक - गोल्ड मेडलिस्ट पूनम कुमारी

पदेन सदस्य - सहायक प्राध्यापक - डॉ. स्मिता शिप्रा

पदेन सदस्य - सहायक प्राध्यापक - डॉ. ब्रह्मदेव कुमार

प्रवेश प्रक्रिया

संस्थान ने प्रवेश प्रक्रिया लेल आवेदक के निष्पक्ष आरू व्यापक मूल्यांकन सुनिश्चित करै के वास्ते कईक चरण के शामिल करने छै। भावी छात्र के शैक्षणिक प्रतिलेख, अनुशंसा पत्र आरू मानकीकृत परीक्षण स्कोर जैसन प्रासंगिक दस्तावेज के साथें एक आवेदन पत्र जमा करना आवश्यक छै। समीक्षा केरो बाद, शॉर्टलिस्ट करलो गेलो उम्मीदवार के कार्यक्रम के आवश्यकता के आधार प साक्षात्कार या फेनू अतिरिक्त मूल्यांकन के लेल आमंत्रित करलो जाय सकै छै। अंतिम चयन हरेक आवेदक के शैक्षणिक रिकॉर्ड, पाठ्येतर उपलब्धि, व्यक्तिगत बयान आरू संस्थान के मूल्य अ लक्ष्य के साथे अनुकूलता के समग्र मूल्यांकन के आधार प करलो जाय छै। एकरो बादे प्रवेशित छात्र के स्वीकृति के बारे मे सूचित करलो जाय छै अ नामांकन आरू अभिविन्यास के संबंध मे आगू के निर्देश देलो जाय छै।संस्थान सब्भै योग्य उम्मीदवार के समान अवसर सुनिश्चित करते हुवे, पूरे प्रवेश प्रक्रिया मे पारदर्शिता आरू अखंडता बनैने रखै के प्रयास करै छै।

पाठ्यक्रम

S.N.	Course Name	Duration	Eligibility	Fee
1.	Certificate Creative writing in Angika	3 Month	10+2	4500/-
2.	Certificate Creative writing in Angika	6 Month	10+2	9000/-
3.	Diploma Creative writing in Angika	12 Month	10+2	12000/-
4.	Diploma Creative writing in Angika	24 Month	10+2	15000/-

Pay Online

अन्य शुल्क विवरण

पाठ्यक्रम शुल्क के अतिरिक्त, शिक्षार्थी को निम्नलिखित शुल्क उचित रूप से जमा करना होगा।

क्रमांक	विषय	फीस	टिप्पणी
1.	पंजीकरण शुल्क	1000/-	अप्रतिदेय
2.	परीक्षा शुल्क	500/-	प्रति पेपर
3.	दोबारा उपस्थित होना/बैक पेपर शुल्क	250/-	प्रति पेपर
6.	संवीक्षा शुल्क	150/-	प्रति पेपर
7.	पता परिवर्तन शुल्क	250/-	
9.	प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/अनंतिम डिग्री शुल्क	250/-	
10.	समेकित मार्कशीट शुल्क	350/-	
11.	डुप्लीकेट मार्कशीट शुल्क	200/-	
12.	अंतिम डिग्री शुल्क	800/-	
14.	अंतिम डिप्लोमा शुल्क	250/-	
15.	दस्तावेज़ सत्यापन शुल्क	700/-	प्रति दस्तावेज
16.	डिग्री सुधार	200/-	
17.	मार्कशीट सुधार शुल्क	150/-	प्रति सेमेस्टर

अपने कॉलेज की फीस का भुगतान JODO द्वारा करें

बैंक खाते द्वारा एनईएफटी / आरटीजीएस / डीडी / चेक / शिक्षा ऋण उपलब्ध

बैंकिंग विवरणं

Bank 1	
Bank Name	Yes Bank
Account Holder Name	Shree Dev College Of Gurukul Institution
Bank IFSC Code	
Account Number	
Bank 1	
Bank Name	HDFC Bank
Account Holder Name	Shree Dev Charitable Trust
Bank IFSC Code	HDFC0002546
Account Number	50200050057962
UPI ID	9369909548@pz
Pay Using Mobile No.	9369909548

Pay Online with JODO - https://app.jodo.in/shreedevgroup/login

We Provide Other Courses

SDCGI Courses – DIPLOMA IN AUTO CAD DESIGNING, DIPLOMA IN COMPUTER APPLICATION, DIPLOMA IN COMPUTER HARDWARE AND NETWORKING, DIPLOMA IN COMPUTER SCIENCE, DIPLOMA IN CUSTOMER RELATIONSHIP MANAGEMENT, DIPLOMA IN CYBER LAW, DIPLOMA IN HARDWARE & NETWORKING TECHNOLOGIESÂ, DIPLOMA IN INFORMATION TECHNOLOGY, DIPLOMA IN NETWORK & HARDWARE MAINTAINANCE, DIPLOMA IN MULTIMEDIA AND ANIMATION, DIPLOMA IN COMPUTER TEACHER'S TRAINING, DIPLOMA IN SOFTWARE ENGINEERING, DIPLOMA IN SOFTWARE ENGINEERING, DIPLOMA IN WEB DESIGNING, DIPLOMA IN BUSINESS MANAGEMENT, ADVANCED DIPLOMA IN HARDWARE & NETWORKING, Diploma in Office Automation & Accounting, Diploma in Multimedia , Diploma in Internet Application & E-Commerce, Diploma in Information Technology, Advance Diploma In Hardware & Networking, Advance Diploma In System Software, Advance Diploma Computer Teacher Training Course, Diploma in Graphics & Web Designing, Advance Diploma in Computer Application & Programming, Diploma of Computer Application, Advance Diploma In Computer Application & Development, Advance Diploma in Office Automation & Accounting, DIPLOMA IN COMPUTER SCIENCE, Diploma In Computer Application & Development, Advance Diploma Computer Teacher Training Course, Diploma in Accounts & Information Technology, ADVANCE DIPLOMA IN DIGITAL MARKETING, DIPLOMA IN HARDWARE MAINTAINANCE, ACCOUNTING AND VIDEO EDITING, Advance Diploma in Computer Application, DIPLOMA IN SOFTWARE ACCOUNTING & PUBLISHING, DIPLOMA IN FINANCIAL ACCOUNTING, Advance Diploma In System Software, DIPLOMA IN STENOGRAPHY (HINDI), Diploma In Hardware Maintenance & Networking
DIPLOMA IN NATUROPATHY & YOGA SCIENCE, DIPLOMA IN NATUROPATHY & YOGA SCIENCE, DIPLOMA IN NATUROPATHY & YOGA SCIENCE, DOCTUR OF NATUROPATHY, MASTER DIPLOMA IN NATUROPATHY & YOGA SCIENCE, DIPLOMA IN ACUPRESSURE MEDICAL SYSTEM, CERTIFICATE IN NATUROPATHY & YOGA SCIENCE

Certificate in Aspen Plus Software, Certificate in AutoCAD (Mechanical), Certificate in Auto CAD Civil, Certificate in Revit, CERTIFICATE IN AUTO CAD (PLUMBING), CERTIFICATE OF AutoCAD (ELECTRICAL)CERTIFICATE IN TALLY ERP 9.0, CERTIFICATE IN JAVA PROGRAMMING, Certificate Course in C Language, Computer Teacher training Course, Advance Certificate in Auto CAD

Skill Courses – DYT, DYI, PDIFD, CCFD, PDIB, CABT, DIB,CCB, DISE, DISH, CET-E, CET-H, DAM, DABT, DAS, CCAW, DFIS, DFS, CCFS, CUSG, CSCIM, CMM, CPIM, CFLHF, CGDA, AHW, DHTM, Textile Design, Design Fundamental, Music Technical Production, Diploma in Beauty Parlour & Services, Fashion Design & Clothing Construction,Laundry Services, Dress Making, Bakery and Confectionery, House Keeping, Food Production, Food & Beverage Services, Preservation of Fruits and Vegetables, Certificate in Indian Embroidery, Beauty Therapist, Beauty Culture, Preservation of Fruits and Vegetables, Beauty And Wellness, Certificate in Cutting and Tailoring, Textile Design, Diploma in Cutting and Tailoring

Shree Dev College of Gurukul Institution run 10+ department 850+ courses

University Application Collection Centre

1. Swami Vivekanand Subharti University (Doctorate of Distance Education) Meerut UP
2. Asian International University Manipur

We offer university Courses

BA, MA, BSc, MSc, BCA, MCA, BBA, BSW, MSW, MBA, B.Tech, M.Tech, Diploma, LLM, D.PHARMAM, B.Voc, M.Voc & more than 100+ courses Avilable

Contact Details

Shree Dev College of Gurukul Institution

Head Office– Rajpurohit Niwas, Lochanganj Phulpur Prayagraj Pin code – 212402 Uttar Pradesh INDIA

Application Collection Centre - RD Academy ,1st floor, Sai Mandir Navtoliya,Shahajangi,Bhagalpur, 812005 Bihar

Email- shreedevgroup3@gmail.com ; info@sdgi.in ; Verification@sdgi.in

Website – www.sdgi.in Head Office Number - 9369909548

Angika Admission Related Enquiry

9431256181; 9934706179; 9973209200,